श्रीमानजी,
नये वादपेश करने के अधिकार का सुरक्षित रखते हुये वाद विड्रो करते है।
[illegible] Adv.
25-2-25

25/2/2025

पत्रावली पेश हुई वकील वादी श्री शिवकुमार जोशी उप.। वकील वादी नये वाद प्रस्तुत करने के वादीगणों के अधिकार को सुरक्षित रखते हुये वाद पत्र विड्रो करना चाहते है वादी अधिवक्ता को सुना गया। वकील वादी द्वारा नवीन वाद पत्र प्रस्तुत करने के वादीगणों के अधिकारो को सुरक्षित रखते हुये, वाद पत्र विड्रो किये जाने का निवेदन किया। वकील वादी द्वारा उक्त इस बाबत पत्रावली आदेशिका पर टिप्पणी दर्ज की गयी ऐसी स्थिति में वाद पत्र पर अन्य कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है। अतः वकील वादी के मौखिक कथनों तथा दर्ज टिप्पणी को स्वीकार की जाकर, पत्रावली ~~[illegible]~~ में नवीन वाद प्रस्तुत करने के वादीगणों के अधिकार को सुरक्षित रखते हुये वाद पत्र पर कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार हो। मय बाद नियम होकर दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी
भिनाय (अजमेर)